दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

कल मुंबई में मंत्री श्रीमती पंकजा ताई मुंडे और माननीय सांसद डॉ. प्रीतम ताई मुंडे ने भाई, माननीय मंत्री धनंजय मुंडे को रक्षाबंधन के अवसर पर राखी बांधकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और स्नेह इसी तरह बढ़ता रहे, ऐसी हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-३६० वा रविवार १० ऑगस्त २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में होगा एपीजे अब्दुल कलाम यूथ अवॉर्ड कार्यक्रम

प्रदेश प्रभारी सलीम जहांगीर की जानकारी; ५०० अल्पसंख्यक व्यवसायियों की भागीदारी

बीड (प्रतिनिधि) - देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना के तहत शुरू की गई कलाम को सलाम मुहिम के एक हिस्से के रूप में, भारतीय जनता पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिभाशाली व्यावसायिक युवाओं को डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड २.० देकर सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम १२ अगस्त २०२५ को दिल्ली में आयोजित होगा। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी के नेतृत्व में देशभर के अल्पसंख्यक समाज के व्यवसायियों का पंजीकरण किया गया है, जिसमें महाराष्ट्र के ५०० अल्पसंख्यक व्यवसायियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कर भाग लिया है। यह जानकारी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री एवं अभियान के प्रदेश प्रभारी सलीम जहांगीर ने दी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, मंत्री पंकजा मुंडे, डॉ. प्रीतम मुंडे, राज्य अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष इदरीस मुल्तानी के नेतृत्व में एपीजे अब्दुल कलाम यूथ अवॉर्ड समारोह के लिए प्रदेश प्रभारी सलीम जहांगीर ने राज्य के अल्पसंख्यक समाज के व्यवसायियों का ऑनलाइन पंजीकरण करवाया है।

मिसाइल मैन ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की १०वीं पुण्यतिथि के अवसर पर १२ अगस्त २०२५ को दिल्ली में डॉ. कलाम यूथ स्टार्टअप अवॉर्ड - २०२५ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर स्टार्टअप के प्रति युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से भाजपा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से देशभर के अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिभाशाली युवाओं को डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड २.० देकर सम्मानित किया जाएगा।

यह पुरस्कार उन युवाओं को दिया जाएगा, जिन्होंने नवाचार, असाधारण कौशल और उद्यमशील सोच के माध्यम से अपना व्यवसाय शुरू किया है और जो समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण बने हैं। दिल्ली में १२ अगस्त २०२५ को होने वाले इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों के साथ देशभर के भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे, यह जानकारी प्रदेश महामंत्री एवं अभियान के प्रदेश प्रभारी सलीम जहांगीर ने दी।

बीड में देसी कट्टा रखने वाला युवक गिरफ्तार

स्थानीय अपराध शाखा की कार्रवाई

बीड, ९ (प्रतिनिधि) - कमर में देसी कट्टा लगाकर सार्वजनिक स्थान पर खड़े २४ वर्षीय युवक को स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने शनिवार (९ तारीख) को हिरासत में लिया। इस मामले में दो अन्य लोगों के खिलाफ भी बीड शहर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

बीड शहर के खासबाग लेंडी रोड पर स्थित उपविभागीय वन कार्यालय के गेट के सामने एक व्यक्ति कमर में देसी कट्टा लगाकर खड़ा है, ऐसी सूचना स्थानीय अपराध शाखा को मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सागर उर्फ सनी प्रकाश मोरे (आयु २४, निवासी जिजाऊ नगर, बीड) को हिरासत में लिया।

जांच के दौरान उसकी कमर से लोहे का देसी निर्मित पिस्तौल, जिसकी कीमत करीब ४० हजार रुपये बताई गई, बरामद हुआ। पूछताछ में सनी मोरे ने बताया कि यह हथियार वैभव संजय वराट (निवासी चक्रधर नगर, बीड) और रितेश प्रभाकर बडमारे (निवासी राजुरी वेस, बीड) ने उसे दिया था। इसके आधार पर इन तीनों के खिलाफ बीड शहर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवट, अपर पुलिस अधीक्षक सचिन पांडकर, स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक शिवाजी बंटेवाड के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक श्रीराम खटावकर, पुलिस हवलदार विकास राठोड़, आनंद म्हस्के, राहुल शिंदे, अंकुश वरपे, पुलिस अमलदार मनोज परजणे, आशपाक सैयद, अर्जुन यादव की टीम ने की।

श्री तुलजाभवानी खासबाग देवी मंदिर रोड की बदहाली; श्रद्धालुओं को भारी परेशानी

जिला प्रशासन व नगर पालिका प्रशासन से सड़क की मरम्मत की मांग

बीड़ (वा) - श्री तुलजाभवानी खासबाग देवी मंदिर बीड़ शहर का ग्रामदेवता माना जाता है। भक्तों की पुकार पर दौड़कर आने वाली देवी के रूप में इनकी ख्याति है। बीड़ जिले के साथ-साथ जिले से बाहर से भी भक्त दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन पिछले एक साल से खासबाग देवी मंदिर जाने वाले मार्ग की हालत बेहद खराब हो गई है। अलग-अलग कारणों से इस सड़क की खुदाई की गई है, लेकिन मरम्मत न होने से कई जगह गहरे गड्ढे पड़ गए हैं। बरसात में इन गड्ढों के कारण श्रद्धालुओं और आसपास के नागरिकों को जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ता है। श्रद्धालुओं व स्थानीय नागरिकों की ओर से जिला प्रशासन व नगर पालिका प्रशासन से इस सड़क की तत्काल मरम्मत की मांग की जा रही है।

बीड़ शहर का श्री तुलजाभवानी खासबाग देवी मंदिर ग्रामदेवता है। इस मंदिर में हर मंगलवार, शुक्रवार और पूर्णिमा को दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। मंदिर तक जाने वाला मुख्य मार्ग कागदी वेस से खासबाग देवी मंदिर रोड है। लेकिन इस सड़क की हालत बेहद दयनीय है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। आने वाले डेढ़ महीने में नवरात्र महोत्सव शुरू होने वाला है। नवरात्र के दौरान सुबह से देर रात तक देवी दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ती है, जिसमें महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की संख्या भी अधिक होती है। इस अवधि में नंगे पांव दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या विशेष रूप से अधिक रहती है। वर्तमान में इस सड़क पर चलना भी मुश्किल हो गया है। नवरात्र के समय दर्शन के लिए आने वाले देवी भक्तों की भीड़ को संभालने और उनकी सुविधा के लिए नई सड़क बनाना बेहद जरूरी है। इसलिए, श्रद्धालुओं ने मांग की है कि जिला कलेक्टर नगर पालिका प्रशासन को निर्देश देकर मंदिर तक जाने वाली इस मुख्य सड़क की मरम्मत करवाएं और नवरात्र से पहले नई सड़क बनाकर श्रद्धालुओं व आसपास के नागरिकों की परेशानी दूर करें।

बीड़ पुलिस विभाग के अधिकारी सैयद शाहंशाह के हाथों को बहनों ने राखी से सजाया

बीड़ (संवाददाता) - भारत में राखी का त्यौहार बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। कई स्थानों पर हिंदू बहनें मुस्लिम भाइयों को राखी बांधती हैं, जो देश की गंगा-जमुनी तहज़ीब की अमूल्य धरोहर है। इतिहास में भी उदाहरण मिलते हैं - मुगल सम्राट हुमायूँ भी राखी के अवसर पर राखी बंधवाते थे।

इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, बीड़ के सैयद शाहंशाह, जो बीड़ पुलिस विभाग में कार्यरत हैं, को आज बीड़ पुलिस विभाग की महिला कर्मचारियों ने राखी बांधकर इस रेशमी हथकड़ी' के माध्यम से समाज को एक सुंदर संदेश दिया है। यह दृश्य न केवल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है, बल्कि यह हमारे समाज में धार्मिक सद्भाव और आपसी प्रेम का जीवंत उदाहरण भी है। ऐसे अवसर हमें याद दिलाते हैं कि भारत की असली ताकत उसकी एकता और विविधता में निहित है।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दी गोरक्षकों पर लगाम लगाने के निर्देश, कुरैशी समाज की बैठक में हुआ फैसला

मुंबई (प्रतिनिधि) - गोवंश हत्या प्रतिबंध से बाहर रखे गए और कानूनी रूप से अनुमति प्राप्त पशुओं के परिवहन पर भी स्वयंभू गोरक्षक आपत्ति जताते रहे हैं। उत्तर भारत में गोरक्षकों की ओर से किए गए उत्पात के कारण कई लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अब महाराष्ट्र में भी यह समस्या उभर आई है। इसी पृष्ठभूमि में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गोरक्षकों पर कड़ा नियंत्रण लगाया जाए। उन्होंने जिला पुलिस प्रमुखों को आदेश दिया कि पशुधन ले जाने वाले वाहनों की जांच करने से निजी व्यक्तियों को रोका जाए।

इस बीच, बीड जिले सहित पूरे राज्य में कुरैशी समाज ने पशुओं की खरीद-बिक्री और वध पर रोक लगाने का निर्णय पहले ही लिया हुआ है। पिछले करीब एक महीने से यह बंद जारी है। हालांकि अब अजित पवार द्वारा पुलिस प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बाद यह देखने वाली बात होगी कि कुरैशी समाज आगे क्या रुख अपनाता है।

कुरैशी समाज के प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक के बाद अजित पवार ने ये निर्देश दिए। इस बैठक में राज्य की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन्द्र भारती समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मौजूद सूत्रों के अनुसार, अजित पवार ने रश्मि शुक्ला को एक परिपत्र (सर्कुलर) जारी करने का निर्देश दिया, जिसमें कहा जाए कि पशुओं को ले जाने वाले वाहनों की जांच करने का अधिकार किसी भी निजी व्यक्ति को नहीं है और इस बात का ध्यान रखा जाए। यह परिपत्र सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को भेजा जाए।

गोवंश हत्या प्रतिबंध कानून लागू होने के बाद कथित गोरक्षक, कानून का हवाला देकर भैंस वर्गीय - यानी बूढ़ी भैंसें और बैलों के परिवहन करने वाले ट्रकों को रोकते हैं और जबरन पैसों की मांग करते हैं, ऐसी शिकायत कुरैशी समाज ने अजित पवार के सामने रखी। इसके साथ ही, कुरैशी समाज ने अवैध गोरक्षकों पर रोक लगाने, कानूनी रूप से अनुमति प्राप्त पशुओं के परिवहन को सुरक्षा देने, दर्ज किए गए झूठे मामले वापस लेने और पशु परिवहन पर लगाए गए प्रतिबंध कम करने जैसी मांगों का ज्ञापन सौंपा।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

जनता की आवाज दबाने वाले 'जन (सरकार) सुरक्षा विधेयक' के विरोध में बीड़ में जोरदार प्रदर्शन

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला घोंटने वाले विधेयक को रद्द करने की मांग; उग्र आंदोलन की चेतावनी

बीड़, ०९ अगस्त – ब्रिटिश सरकार ने जनता की आवाज दबाने के लिए १९२८ में 'पब्लिक सेफ्टी बिल' लाया था, जिसका शहीद-ए-आजम भगत सिंह ने असेंबली में बम विस्फोट कर विरोध किया था। अब महाराष्ट्र सरकार ने २०२४ में वही बिल, उसी नाम से लाकर लोकतंत्र पर हमला किया है। इस विधेयक को रद्द करने की मांग को लेकर बीड़ में वामपंथी, प्रगतिशील और परिवर्तनवादी दलों व संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन किया।

मिली जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र विधानसभा ने 'महाराष्ट्र विशेष जनसुरक्षा कानून २०२४' पारित किया है। यह कानून जनता की आवाज दबाने वाला और उनके मौलिक अधिकारों पर प्रहार करने वाला बताया जा रहा है। इसलिए राज्यपाल महोदय से इस विधेयक पर हस्ताक्षर न करने की मांग, राज्य के वामपंथी, प्रगतिशील और परिवर्तनवादी दलों व संगठनों ने सीधे मुलाकात कर की है।

कल ९ अगस्त 'भारत छोड़ो आंदोलन' दिवस था। इसी दिन महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार को 'चले जाओ' का आदेश दिया था। इसके बाद आज़ादी की लड़ाई तेज़ हो गई और अंततः ब्रिटिशों को देश छोड़ना पड़ा। इसी दिन के अवसर पर, बीड़ के वामपंथी, प्रगतिशील और परिवर्तनवादी दलों व संगठनों ने इस कानून के विरोध में प्रदर्शन कर, इस लोकतंत्र-विरोधी कानून को रद्द करने की मांग की। इस आंदोलन में भाकपा, माकपा, शेकाप, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), एकल महिला संगठन, संभाजी ब्रिगेड, छावा, मराठा महासंघ, शिवभीम संगठन आदि दलों और संगठनों के नेता शामिल हुए। आंदोलन में कॉमरेड पी. एस. घाडगे, कॉमरेड डी. जी. तांदळे, कॉमरेड एड. अजय बुरांडे, भाई मोहन गुंड, दादासाहेब मुंडे, जोतिराम हुरकुडे, राजकुमार कदम, बालासाहेब मोरे, रामधन जमाले, कॉमरेड बबरुवान पोटभरे, कॉमरेड दत्ता डाके, रोहिदास जाधव, शिवाजी हिंदुळे, सैय्यद सादिक, मौली शिंदे, परवेज कुरैशी, रुक्मिणी नागापुरे, शिल्पा पंडित, किस्किंदा पांचाल, संजीवनी पखाले, नितीन जायभाये समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

इस्लामपुरा नागरिकों का स्वास्थ्य संकट में; नगर परिषद को अत्तार फाउंडेशन महाराष्ट्र राज्य, जिला बीड़ का निवेदन

बीड़, ०८ अगस्त – इस्लामपुरा के प्रभाग क्रमांक १८ के नागरिक पिछले एक महीने से दूषित, गादयुक्त, गंदे और बदबूदार नल के पानी की समस्या का सामना कर रहे हैं। इस पानी का उपयोग पीने के साथ-साथ घरेलू कामों के लिए भी किया जा रहा है, जिसके चलते इलाके में बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। पेट दर्द, फूड प्वाइजनिंग, बुखार और सर्दी जैसी बीमारियों से कई नागरिक परेशान हैं।

इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए अत्तार फाउंडेशन महाराष्ट्र के संस्थापक अध्यक्ष इमरान अत्तार ने नगर परिषद, बीड़ के मुख्याधिकारी को लिखित निवेदन सौंपा। निवेदन में तत्काल पानी आपूर्ति व्यवस्था की जांच कर, दूषित पानी के कारणों का पता लगाने, पाइपलाइन की लीकेज, गटर के पानी की मिलावट और अन्य तकनीकी खामियों को दूर करने की मांग की गई है।

साथ ही, संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर आवश्यक कार्रवाई करने की भी मांग की गई है। कई शिकायतों के बावजूद अब तक ठोस कदम न उठाए जाने से नागरिकों में नाराज़गी है।

अत्तार फाउंडेशन ने नगर परिषद से तुरंत कार्रवाई करने की अपील की है और चेतावनी दी है कि अगर विलंब हुआ तो अत्तार फाउंडेशन महाराष्ट्र राज्य, जिला बीड़ की ओर से तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

निवेदन देते समय अत्तार फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष इमरान अत्तार, अत्तार वेल्फेयर ट्रस्ट के जिला सचिव अकबर अत्तार, फिरोज सर अत्तार, समीर सर अत्तार, रफीक अत्तार, परवेज अत्तार, आदिल अत्तार, कासिम अत्तार, मुख्तार अत्तार आदि मौजूद थे।

शशिकांत शिंदे और रोहित पवार की उपस्थिति में १३ अगस्त को राष्ट्रवादी कांग्रेस शरदचंद्र पवार पार्टी का मेळावा-राजेंद्र मस्के

बीड़ प्रतिनिधि – राष्ट्रवादी कांग्रेस शरदचंद्र पवार पार्टी के नए प्रदेशाध्यक्ष विधायक शशिकांत शिंदे और नए प्रदेश सरचिटनीस (महासचिव) विधायक रोहित दादा पवार की अध्यक्षता में, साथ ही सांसद बजरंग बप्पा सोनवणे, विधायक संदीप भैया क्षीरसागर, जिले के पूर्व विधायक, प्रदेश पदाधिकारी और वरिष्ठ नेताओं की प्रमुख उपस्थिति में, आगामी स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव को ध्यान में रखते हुए १३ अगस्त, बुधवार को पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का भव्य मेळावा आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी बीड़ जिला अध्यक्ष राजेंद्र मस्के ने दी।

राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद पवार पार्टी के नए प्रदेशाध्यक्ष विधायक शशिकांत शिंदे और प्रदेश सरचिटनीस विधायक रोहित दादा पवार ने मराठवाड़ा का जिला-वार दौरा शुरू किया है। बीड़ जिला देश के नेता माननीय शरदचंद्र पवार साहब को मानने वाला जिला है। लोकसभा चुनाव में आम जनता, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के सहयोग से पार्टी को सफलता मिली, वहीं विधानसभा चुनाव में बीड़ सीट पर विजय प्राप्त की गई। अन्य विधानसभा क्षेत्रों में कम अंतर से जीत हाथ से निकल गई।

आगामी नगर पालिका, जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव में कार्यकर्ताओं को न्याय दिलाने के लिए पार्टी पूरी ताकत से मैदान में उतरेगी। चुनाव जीतने के लिए पार्टी ने काम शुरू कर दिया है। इसी क्रम में १३ अगस्त को दोपहर ३ बजे, अंबिका लॉन्स, पांगरी रोड, बीड़ में यह मेळावा संपन्न होगा। आगामी चुनावों की रणनीति को लेकर विचार-विमर्श होने वाला है, इसलिए स्थानीय स्वराज संस्थाओं का चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ता अवश्य उपस्थित रहें।

मेळावे के अवसर पर पहली बार नए प्रदेशाध्यक्ष विधायक शशिकांत शिंदे और नए प्रदेश सरचिटनीस व महाराष्ट्र कुस्तीगीर परिषद के अध्यक्ष विधायक रोहित दादा पवार बीड़ जिले में आ रहे हैं, जिनका भव्य स्वागत किया जाएगा।

मेळावा सफल बनाने के लिए, तालुका प्रमुख, महिला आघाड़ी, युवक आघाड़ी, विद्यार्थी आघाड़ी और सभी आघाड़ियों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहें, ऐसा आह्वान राजेंद्र मस्के ने किया है।

भक्ति मार्ग पर चलने के लिए जात-पात और धर्म की आवश्यकता नहीं-पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर

बीड, ०९ (प्रतिनिधि) – जिले में जहां-जहां किले और संस्थान हैं, वहां लाखों की संख्या में लोग वारकरी संप्रदाय के भक्ति मार्ग पर चलते हुए दिखाई देते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि भक्ति मार्ग पर चलने के लिए जात-पात और धर्म की कोई आवश्यकता नहीं होती। गोरक्षनाथ टेकड़ी का विकास होते समय इसके लिए पर्याप्त धन की जरूरत है और बीड जिले के प्रत्येक किले तथा संस्थान का विकास होना ही चाहिए, ऐसा प्रतिपादन पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने किया।

स्वर्गीय किसन बाबा महाराज की २७वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में ढेकणमोहा के समीप स्थित श्रीक्षेत्र संस्थान गोरक्षनाथ टेकड़ी पर अखंड हरिनाम सप्ताह का आयोजन किया गया था। शनिवार को ह.भ.प. संजय महाराज पाचपोर के काल्याचे कीर्तन से सप्ताह का समापन हुआ। इस अवसर पर पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर, सांसद बजरंग सोनवणे, युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर, प्रो. जगदीश काळे, विलास बडगे, दिनकर कदम, अरुण डाके, गंगाधर घुमरे, गणपत डोईफोडे, सुभाष क्षीरसागर, सखाराम मस्के, अरुण बोंगाणे, ह.भ.प. हरिदास जोगदंड सहित अनेक मान्यवर उपस्थित थे।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने मठाधिपति नवनाथ बाबा का आशीर्वाद लिया। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि बारिश के बावजूद लाखों भक्तों की भीड़ गोरक्षनाथ टेकड़ी पर दिखाई दे रही है, इससे इस टेकड़ी का महत्व स्पष्ट होता है। गोरक्षनाथ की पवित्र उपस्थिति से धन्य हुए इस परिसर के विकास के लिए हरसंभव प्रयास करना आवश्यक है। सत्ता में रहते हुए जो भी सुविधाएं आवश्यक थीं, वे हमने आग्रहपूर्वक उपलब्ध कराईं। सत्ता हो या न हो, देवस्थान के विकास के लिए हम निरंतर प्रयास करते रहते हैं। वर्तमान जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वे इस दिशा में पहल कर जिले के प्रत्येक किले और संस्थान का विकास करें। यह हमारी धरोहर है और इसका संरक्षण करना हर किसी का कर्तव्य है।

इस अवसर पर विष्णु महाराज लांडे, गोरख दन्ने, यादव सुरवसे, हनुमान देवकते, रामा भोगे, बालाप्रसाद जाजू, ओमप्रसाद खवतड, संदीप डावकर, नारायण माने, बंडू गाड़ीवान, नवनाथ घोडके, विक्रम करांडे, बंडूपंत लांडे, विष्णूपंत काळे, नागेश शिंदे, राजेंद्र पवार, नारायण देवकते, महादेव थापडे, बाजीराव पवार, देवराव घोडके, सोमनाथ माने समेत बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

अजितघड़ी का समय बदला-किसान पुत्र बना प्रदेश प्रवक्ता

राजनीति के केंद्र में अजित पवार महाराष्ट्र का प्रमुख चेहरा बनकर उभरे हैं। उनकी राजनीतिक सोच भी परंपरागत धारणाओं से अलग दिखाई देती है। बीड़ के देहात से जुड़ा और किसान परिवार में जन्मा एक युवक, प्रदेश प्रवक्ता के रूप में चुना गया है। यह पहली बार देखा जा रहा है कि बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि और गरीब घराने से जुड़े व्यक्ति को प्रदेश की राजनीति में इस तरह आगे लाया गया हो। अजित पवार की इसी नई सोच की व्यापक सराहना की जा रही है।

पत्रकारिता जगत के एक जाने-माने और बेबाक चेहरे, भागवत तावरे को प्रदेश प्रवक्ता बनाकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने सभी को चौंका दिया है। हिंदू-मुस्लिम के बीच गंगा-जमुनी तहज़ीब की बात करने वाला यह चेहरा, जब अजित पवार की नीतियों को जनता के सामने रखेगा, तब लोग जानेंगे कि अजित पवार ने किस अनमोल रत्न को तराशा है।

बीड ज़िले के नाळवंडी कस्बे का एक युवक पत्रकारिता में कदम रखता है-बेबाकी से लिखना, निर्भीक होकर भाषण देना और कलम के माध्यम से गरीबों का दुख-दर्द बांटना उसकी पहचान बन जाती है। ज़रूरतमंदों के लिए हरदम उपलब्ध रहने के कारण वह लोगों के दिलों में जगह बना लेता है। उसे चाहने और पढ़ने वाले पूरे प्रदेश में बढ़ते जाते हैं। मुस्लिम नौजवानों में भी भागवत तावरे की ख्याति फैलती जाती है, और लोग उन्हें लोकपत्रकार के नाम से जानने लगते हैं।

सेक्युलर सोच के प्रतीक भागवत तावरे की गूंज महाराष्ट्र में तब और बढ़ी, जब शाहीन बाग आंदोलन के दौरान उन्होंने हिंदी और उर्दू में लगातार घंटों तक प्रभावी भाषण दिए। यह कोई साधारण कार्य नहीं था, बल्कि उनकी वक्तृत्व कला का परिचायक था। आज वही भागवत तावरे, किसान हरिहर तावरे के पुत्र, प्रदेश की राजनीति में एक प्रशिक्षित और उभरते नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं।

बचपन से ही हिंदू-मुस्लिम एकता में विश्वास रखने वाले तावरे ने हमेशा मेल-मिलाप की बात की है और धर्मवाद व जातिवाद का विरोध किया है। सच बोलने का साहस उन्होंने कई बार दिखाया है। दस वर्ष की लंबी पत्रकारिता का सफर अब जाकर अपने सही मुकाम तक पहुँचा है। मुस्लिम, हिंदू और दलित समाज के बीच जाकर सत्य को निर्भीकता से रखने वाला यह चेहरा, राजनीति की जटिलताओं को भली-भांति समझता है और राष्ट्रवादी पार्टी की चुनावी प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उर्दू और हिंदी का श्रेष्ठ फनकार

भागवत तावरे जब हिंदी में भाषण का आरंभ करते हैं, तो श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। पूरी विनम्रता और अदब के साथ सलाम पेश करने के बाद उनकी बेबाक वाणी सुनने के लिए भीड़ उमड़ पड़ती है। शाहीन बाग आंदोलन में वे घंटों तक अपनी बात रखते रहे और श्रोताओं को समय का अहसास तक नहीं हुआ। राष्ट्रवादी पार्टी की ओर से वे हिंदी में बात रखने वाले पहले हिंदू मराठा प्रवक्ता होंगे। वारकरी संप्रदाय के प्रवचनकार और हिंदी पर विशेष पकड़ रखने वाले भागवत तावरे जैसा चेहरा प्रदेश की राजनीति में पहली बार देखने को मिलेगा।

धनंजय मुंडे की नज़र में अनमोल रत्न

हीरे की पहचान करना भी एक कला है। मराठा समाज से आने वाले तावरे को बीड़ से मुंबई तक लाने का श्रेय धनंजय मुंडे को जाता है। उनकी राजनीति की व्यापक दृष्टि को दर्शाता यह कदम, मराठा समाज में ख़ुशी की लहर पैदा कर चुका है। भागवत तावरे को पार्टी

में स्थान दिलाने के लिए धनंजय मुंडे ने विशेष प्रयास किया और एक ग्रामीण, किसान पुत्र को प्रवक्ता बनाने की कोशिश को सफल बनाया। इस पहल में पार्टी को तावरे मिले और तावरे को एक नया राजनीतिक मंच।

संघर्ष से सम्मान तक का सफर

भागवत तावरे का नाम अब केवल एक व्यक्ति का नाम नहीं, बल्कि समाजसेवा, संघर्ष और जन-आवाज़ का प्रतीक बन चुका है। गाँव की गलियों से लेकर राज्य के मंच तक उनका सफर आसान नहीं रहा। यह कहानी है एक ऐसे व्यक्ति की, जिसने कभी पद और प्रतिष्ठा का सपना नहीं देखा, बल्कि लोगों के दुख-दर्द को कम करने के उद्देश्य से अपनी यात्रा शुरू की।

जनता के बीच रहकर उन्होंने गरीब, वंचित और शोषित वर्ग की आवाज़ को बुलंद किया। उन्होंने यह सिद्ध किया कि नेतृत्व केवल पद पर बैठने से नहीं आता, बल्कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझने और समाधान करने से आता है।

प्रदेश प्रवक्ता बनना उनके लिए सम्मान की बात अवश्य है, लेकिन वे इसे मंज़िल नहीं, बल्कि एक नया माध्यम मानते हैं-जिससे वे और अधिक लोगों की आवाज़ सरकार और समाज तक पहुँचा सकें। उनकी यात्रा हम सबके लिए प्रेरणा है कि यदि नीयत साफ़ हो और मेहनत सच्ची हो, तो सफलता और सम्मान स्वयं चलकर आपके पास आते हैं।

भागवत तावरे का सफर इस बात का प्रमाण है कि समाजसेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। और जब जीवन समाज के लिए समर्पित हो, तो सफलता और सम्मान अनिवार्य रूप से आपके कदम चूमते हैं।

लेखक – नदीम शेख (बीड – ९३७०४५७७२७)

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com